शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री भगवत झा आजाद) : (क) और (ख). दिल्ली के लिये एक अलग उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड स्थापित करने के संबंध में एक प्रस्ताव दिल्ली प्रशासन से प्राप्त हुआ है। उस पर विचार किया जा रहा है और सरकार द्वारा उस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं किया गया है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

कच्छ से पाकिस्तान को प्रवजन

472. **श्री रामावतार शर्मा** : क्या **गृह-कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अगस्त 1967 में छः परिवार अपने घरेलू सामान सहित ऊंटों पर सवार हो कर कच्छ छोड़कर पाकिस्तान चले गये हैं ;

(ख) क्या सरकार ने इस बात की जांच की है कि वे किन कारणों से इस ढंग से पाकिस्तान चले गये हैं; और

(ग) यदि हां, तो उनके प्रवास के क्या कारण ह और सरकार की इस बारे में क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ग). राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार 6 व्यक्ति अपने गांव छोड़कर 1-8-67 को 35–40 ऊंटों को लेकर अपने सम्बन्धियों के साथ पाकिस्तान में रहने के लिये अपने गांव छोड़ गए। बाद में उनके परिवार भी जिनके सदस्यों की संख्या 12 थी 27 अगस्त, 1967 को पाकिस्तान चले गए। राज्य सरकार से और सूचना प्राप्त होने की प्रतीक्षा है।

LICENCES TO PRIVATE ARMS DEALERS

473. SHRI RAM AVTAR SHARMA:
SHRI G. C. DIXIT:
SHRI LAKHAN LAL GUPTA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any request has been received from the Madhya Pradesh Government seeking permission to issue new licences to the private Arms Dealers in Madhya Pradesh for the manufacture of muzzle loading guns for crop protection purposes;

(b) if so, when the request was received and

(c) the decision taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) Yes, Sir.

(b) In December 1966.

(c) The proposal is under the consideration of the Government of India.

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग में कार्य कर रहे चौकीदार

474. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री कृ० मा० कौशिक :

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, प्रदर्शनी स्थल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में कार्य करने वाले चौकीदारों को 12 घंटे कार्य करना पड़ता है; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और संबंधित नियमों के अनुसार चौकीदारों के लिये निर्धारित काम का समय क्या है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी हां।

(ख) वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, प्रदर्शनी स्थल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में केवल दो चौकीदार हैं। उन्हें बारी-बारी से अपनी ड्यूटी देनी होती है। सरकारी भवनों की देख-भाल करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा नियुक्त चौकीदारों के लिए ड्यूटी के घंटे निर्धारित करने के संबंध में कोई सामान्य नियम नहीं हैं। ड्यूटी के घंटे, नियुक्त चौकीदारों की संख्या, देख-भाल किए जाने

वाले क्षेत्र के आकार आदि पर निर्भर करते ह । यहां के लिए एक तीसरे चौकीदार की जगह स्वीकृत करने के लिए विचार किया जा रहा है ।

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के कार्यालय का स्थानान्तरण

475. **श्री ओंकार सिंह :**
श्री राजदेव सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग तथा केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के कार्यालय वर्तमान स्थान से रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में ले जाने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो कब ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) ज्यों ही आयोग के लिए नियत भवन उपयोग के लिए तैयार हो जाता है ।

KURUKSHETRA AS TOURIST CENTRE

476. SHRI RANDHIR SINGH: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Kurukshetra and Pandu Pindaras in Haryana are of universal importance because of Bhagvata Gita and Mahabharata and millions of pilgrims from all over the world visit these places;

(b) whether Government have any specific plans to develop these sacred places from the point of view of tourism;

(c) if so, the details of the plans; and

(d) if the answer to part (b) above be in the negative, the reasons therefor?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) Most of the visitors to Kurukshetra and Pandu Pindaras are Indians. The importance of Kurukshetra and Pandu Pindaras is primarily national.

(b) Developmental plans for these areas are being drawn up by the State Government under the Fourth Five Year Plan.

(c) The details have not yet been finalised.

(d) Does not arise.

NALANDA MONASTERY

477. SHRI RANDHIR SINGH: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that some portions of the famous and precious historical excavations of Nalanda Monastery in Bihar State are giving way due to the vagaries of weather;

(b) the steps Government have taken in the last five years to save Nalanda Monastery from decay; and

(c) the further steps proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI SHER SINGH): (a) No, Sir. The excavated ruins of brick built monasteries and temples along with their stucco sculptural decorations are properly maintained and are under the constant care of the Archaeological Survey of India.

(b) and (c) During the last five years the exposed tops of ruins have been made watertight, damaged portions repaired and a system of drainage provided so that near the monuments there may not be any stagnation of water which might cause damage. In addition the stuccos have been periodically subjected to chemical treatment for elimination of soluble salts and given a protective coat of water repellant resin-solution.

About Rs. 77,500 have been spent on preservation of the Nalandas monasteries during the last four years, and about Rs. 15,000 more is proposed to be spent during the current financial year.

KONARAK TEMPLE

478. SHRI RANDHIR SINGH: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that the Konarak Temple in Orissa, which is of superb architectural beauty and eminence, is in a state of neglect and decay